हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 59 | जौनपुर, शुक्रवार 24 नवम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी से मिले बेल्जियम के राजदूत

लखनऊ (एजेन्सी)। यूरोपियन देश किंगडम ऑफ बेल्जियम के भारत में राजदूत डिडिएर वेंडरहासेल्ट ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ आये चार सदस्यीय दल ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न सेक्टरों में साझेदारी के लिए इच्छा व्यक्त की है। खासकर वेस्ट मैनेजमेंट, डिफेंस एंड स्पेस, सोलर प्रोजेक्ट और सेमी कंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में बेल्जियम की ओर से गहरी रुचि दिखाई गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान किंगडम ऑफ बेल्जियम के राजदूत डिडएर वेंडरहासेल्ट ने उत्तर प्रदेश में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों की तारीफ की। इस दौरान वीटो अरबिया साइंस एंड टेक्नोलॉजी एलएलसी के साउथ एशिया और इंडिया ऑपरेशंस के लीड इब्राहिम हफीउर रहमान ने कंपनी द्वारा वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्यों का विवरण भी मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत किया गया।

सीएम धामी ने सुरंग में फंसे श्रमिकों से बात की

उत्तरकाशी (एजेन्सी)। उत्तरकाशी में सिल्कयारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए बहु–एजेंसी का प्रयास अंतिम चरण में पहुंच गया है, एम्बुलेंस को स्टैंडबाय पर रखा गया है और स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में एक विशेष वार्ड तैयार रखा गया है। मलबे के बीच स्टील पाइप की ड्रिलिंग में उस समय बाधा आ गई जब कुछ लोहे की छड़ें बरमा मशीन के रास्ते में आ गईं। हालाँकि, अधिकारियों को उम्मीद है कि बचाव अभियान आज समाप्त हो जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, 12 नवंबर को निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा ढह जाने से फंसे श्रमिकों तक पहुंचने के लिए एक अमेरिकी निर्मित बरमा मशीन को 57 मीटर लंबे मलबे के माध्यम से ड्रिल करना पड़ा। एक राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ)) टीम भी सुरंग में प्रवेश कर चुकी है। निकासी की प्रत्याशा में छाती विशेषज्ञों सहित 15 डॉक्टरों की एक टीम को साइट पर तैनात किया गया है।

सासंद ने महुआ मोइत्रा पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को संसदीय कार्यों पर एक सरकारी बुलेटिन का एक अंश साझा करके तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर ताजा हमला किया।

उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि यह है लोकसभा का आदेश, जो साफ कहता है कि गोपनीयता का मतलब सूचना केवल और केवल सांसद तक सीमित रहे। क्योंकि सांसद जब प्रश्न पूछते हैं तो संसद शुरू होने के एक घंटा पहले उत्तर सांसद को मिलता है, इससे शेयर मार्केट,कम्पनी की स्थिति में उतार चढ़ाव,देश की सुरक्षा में सेंध, दूसरे देशों के साथ अपने सम्बन्धों पर समय से पहले जानकारी मिल जाने पर आर्थिक, सुरक्षा से खिलवाड़। आरोपी भ्रष्टाचारी सांसद को शायद हीरानंदानी जैसे PA ने यह पढ़कर नहीं बताया? चोरी व सीनाजोरी का उदाहरण।

मुठभेड़ में दो कैप्टन सहित 5 जवान शहीद

जम्मू–कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच चल रही मुठभेड़ में गुरुवार को एक और जवान शहीद हो गया। इससे कल से अब तक शहीद हुए कुल सैन्य कर्मियों की संख्या पांच हो गई है। बुधवार को सेना के चार जवान शहीद हो गए, जिनमें दो कैप्टन और दो जवान शामिल थे। घटना में तीन अन्य घायल हो गए और उन्हें बाद में उधमपुर में सेना के कमांड अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि एक मेजर और दो जवानों को चोटें आईं, पुलिस ने कहा कि घेराबंदी और तलाशी अभियान के बाद घायलों को धर्मसाल के बाजीमल इलाके में सेना के कमांड अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। राजौरी जिले के क्षेत्र में गोलीबारी रात भर रुकने के बाद आज सुबह फिर से शुरू हो गई।

शीतलहरी से बचाव को लेकर योगी सरकार ने दिए निर्देश, बोले– गरीबों को दें उच्च गुणवत्ता का कंबल

लखनऊ (एजेन्सी)। शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से निराश्रित, असहाय एवं कमजोर वर्ग के असुरक्षित लोगों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शीतलहरी के दौरान गरीबों में वितरित किये जाने वाले कंबलों की गुणवत्ता उच्च क्वालिटी की होनी चाहिए। योगी सरकार ने इसके लिए बजट की पहली किस्त जारी करते हुए सभी मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारियों को पुख्ता इंतजाम के दिशा–निर्देश भी दे दिये हैं। सरकार ने शीतलहरी के दौरान निराश्रित व्यक्तियों, शरणार्थियों और प्रभावितों के अस्थायी आवास, भोजन, वस्त्र एवं चिकित्सा सुविधा के लिए राहत विभाग को 120 करोड़ की धनराशि आवंटित की है। इसके सापेक्ष विभाग की ओर से भी सीएम योगी के निर्देश पर सभी जिलाधिकारियों को शीतलहरी से निपटने के लिए पहली किस्त करीब बीस करोड़ की धनराशि जारी कर दी गई है। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के हर कमजोर वर्ग के साथ खड़े हैं। इसके लिए योगी सरकार की ओर से कई कल्याणकारी योजनाएं भी चलायी जा रही हैं। वहीं सरकार कमजोर, असहाय वर्ग के लोगों को किसी भी आपदा से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ठंड की शुरुआत के साथ ही शीतलहरी से निपटने के लिए 351 तहसील को कंबल के लिए पहली किस्त के रूप में 17 करोड़ 55 लाख रुपये जारी किए गए हैं। वहीं अन्य राहत सामग्री के लिए एक करोड़ 75 लाख 50 हजार रुपये जारी किए गए हैं। ऐसे में विभाग ने पहली किस्त के रूप में कुल उन्नीस करोड़ तीस लाख पचास हजार रुपये जारी किए हैं। इसमें सबसे अधिक धनराशि 38 लाख 50 हजार गाजीपुर, बुलंदशहर, गोरखपुर, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के लिए जारी की गई है। साथ ही सभी मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारियों को ठंड से निपटने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। शीतलहरी से निपटने के लिए जिलाधिकारियों, अपर जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों, उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर निराश्रित, असहाय एवं कमजोर वर्ग के लोगों को चिह्नित करने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही अत्यधिक एवं शीतलहरी से प्रदेश के किसी भी व्यक्ति की मृत्यु न हो यह सुनिश्चित करने को कहा गया है। वहीं सभी नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम एवं ग्रामीण इलाकों के सार्वजनिक स्थलों पर आवश्यकतानुसार अलाव जलाया जाए।

दुनिया में सबसे अनोखी होगी रामलला की मूर्ति, श्रीराम के अलावा श्री हरि के 10 अवतारों के होंगे दर्शन

अयोध्या (एजेन्सी)। राममंदिर भव्यता के साथ–साथ तकनीक के मामले में भी दुनिया के चुनिंदा मंदिरों में से एक होगा। यहां रामलला की अचल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को अभिजित मुहूर्त में पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे। यह मूर्ति दुनिया में सबसे अनोखी होगी। यह दावा मूर्तिकार का है। मूर्ति में भगवान राम के अलावा श्रीहरि के 10 अवतारों के दर्शन होंगे। तीन मूर्तिकार रामलला की तीन मूर्तियों का निर्माण कर रहे हैं। इनमें से जो सर्वोत्तम होगी, उसे नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित किया जाएगा। कर्नाटक के दो व राजस्थान के एक मूर्तिकार अलग–अलग मूर्तियां बना रहे हैं। मूर्तिकार सत्यनारायण पांडेय का दावा है कि वह जो मूर्ति बना रहे हैं, वह दुनिया में सबसे अनोखी होगी। किसी भी मंदिर में रामलला के ऐसा दर्शन प्राप्त नहीं होते होंगे। रामलला की मूर्ति बाल स्वरूप होगी, उनके चेहरे पर बाल सुलभ कोमलता झलके इसका पूरा प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि सबसे पहले रामलला की मूर्ति होगी। इसके पिछले हिस्से में छोटे आकार में भगवान श्रीहरि के 10 अवतारों की के दर्शन होंगे। इसके अलावा लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न व हनुमान जी की भी मूर्तियां बनेंगी। मूर्ति के ऊपरी हिस्से में रामलला को आशीर्वाद देते हुए भगवान ब्रह्मा, शंकर जी, गुरु वशिष्ठ व विश्वामित्र की मूर्ति के भी दर्शन होंगे। ऐसी मूर्ति दुनिया में न तो किसी मंदिर में प्राणप्रतिष्ठित है और न ही किसी ने ऐसी मूर्ति आज तक बनाई है।

पीएम मोदी बोले, कभी नहीं होगी गहलोत सरकार की वापसी

पीएम मोदी ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मुद्दे पर राज्य की अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला

राजस्थान (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मुद्दे पर राज्य की अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि राजस्थान में महिलाएं कांग्रेस को एक पल के लिए भी बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं हैं और राज्य ने वर्तमान सरकार से ज्यादा महिलाओं पर अत्याचार करने वाली कोई सरकार नहीं देखी। उन्होंने कहा कि बहुत ऐसे लोग हैं, जो भाजपा की ताकत को जानते ही नहीं हैं, उनको लगता है कि मोदी को गाली दे दोगे तो उनकी गाड़ी चल जाएगी। लेकिन उनको पता नहीं है कि ये ऐसी पार्टी है जिसे कार्यकर्ताओं ने अपने खून–पसीने से बनाया है। ये पार्टी ऐसी है, जिसमें चार–चार पीढ़ियां खप गई हैं और एक ही सपना लेकर के...भारत माता की जय। मोदी ने कहा कि आज राजस्थान में बहुत सारी शादियां हैं और इन शादियों के कारण इलेक्शन कमीशन ने चुनाव की तिथि बदल दी, ताकि शादियों में रुकावट न आए। ऐसे में राजस्थान की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि पूरी जिम्मेदारी के साथ आप मतदान करेंगे। पिछले चुनाव के मतदान से ज्यादा वोटिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के इस चुनाव में हमारी माताओं, बहनों और बेटियों ने जिस प्रकार से भाजपा का झंडा उठा लिया है, वो काबिले–तारीफ है। आज राजस्थान में हर तरफ से एक ही बात सुनाई देती है–गहलोत जी, कोनी मिलै वोट जी। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने आज तक इससे बड़ी महिला विरोधी सरकार नहीं देखी है। इसलिए राजस्थान के जन–जन ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले लिया है।

इसलिए कल मैं डंके की चोट पर कहा है कि राजस्थान में अब कभी भी गहलोत सरकार की वापसी नहीं होगी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजस्थान की इस धरती का कण–कण वीर–वीरांगनाओं की गाथाओं से भरा पड़ा है। लेकिन कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को माताओं, बहनों, बेटियों पर अत्याचार के मामले में नंबर वन बना दिया है और मुख्यमंत्री कहते हैं कि यहां महिलाएं झूठे मुकदमे दर्ज कराती हैं। ये चुनाव उनको सजा देने का चुनाव है और आपके एक वोट में उनको सजा देने की ताकत है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जो देश का सबसे बड़ा घोटाला हुआ, वो भी हमारे देश के वीर जवानों के लिए जो खरीद करनी थी, उनमें भी इन्होंने घोटाला कर दिया। बोफोर्स घोटाले को देश कभी नहीं भूल सकता। कांग्रेस ने सबमरीन में घोटाला किया, हेलिकॉप्टर में घोटाला किया।

जल हो, नभ हो, थल हो.. .कांग्रेस का पंजा एक ही काम करता है सिर्फ लूटो। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने फौजियों को सिर्फ धोखा दिया। ध्वन रैंक वन पेंशनश को लटकाए रखा।

समीक्षा याचिकाओं पर विचार करने के लिए सहमत हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को अपने 17 अक्टूबर के फैसले पर पुनर्विचार की मांग करने वाली याचिका पर 28 नवंबर को विचार करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें समलैंगिक जोड़ों को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया गया था और कहा गया था कि केवल संसद और राज्य विधानसभाएं ही उनके वैवाहिक संबंधों को मान्य कर सकती हैं। वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ के समक्ष मामले का उल्लेख किया और सीजेआई से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि समीक्षा याचिका 28 नवंबर को पांच न्यायाधीशों के समक्ष विचार के लिए आए – जो कि अदालत रजिस्ट्री द्वारा सौंपी गई अस्थायी तारीख है। जब रोहतगी ने अनुरोध किया तो कई अन्य वकील भी उपस्थित थे, जो पहले इस मामले में पेश हुए थे। उन्होंने कहा कि हमने खुली अदालत में सुनवाई की भी मांग की है। इसे अस्थायी रूप से 28 नवंबर को सूचीबद्ध किया गया है। इसे हटाया न जाए। इसके अलावा, बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक, दोनों ही दृष्टिकोण मानते हैं कि भेदभाव (एलजीबीटीक्यू जोड़ों के खिलाफ) है। यदि भेदभाव है तो उसका समाधान भी होना चाहिए। यही कारण है कि हमने खुली अदालत में सुनवाई के लिए दबाव डाला है।

अमित शाह बोले गहलोत सरकार में चरम पर तुष्टिकरण की राजनीति

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजस्थान चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं

राजस्थान (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजस्थान चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस पर परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए आत अमित शाह ने कहा कि इससे जनता बहुत त्रस्त है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनेगी। जयपुर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राजस्थान के हर कोने में जनता ने परिवर्तन का मूड बनाया हुआ है। हर क्षेत्र में विफल और नाकाम कांग्रेस सरकार को विदाई देने के लिए राजस्थान के लोगों ने अपना मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने हमेशा मोदी जी के साथ खड़ा रहकर भारतीय जनता पार्टी का समर्थन किया है। 2014 और 2019 दोनों चुनावों में सभी की सभी सीटें भाजपा के खाते में देकर राजस्थान की जनता ने हमेशा मोदी जी को अपना समर्थन दिया है। अमित शाह ने कहा कि बीते 5 साल में कांग्रेस ने परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति का परिचय दिया है। इससे राजस्थान की जनता बहुत त्रस्त है। उन्होंने कहा कि 5 साल में, राजस्थान में अगर सबसे खराब स्थिति किसी की रही है तो महिलाओं और दलितों की रही है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार में तुष्टिकरण की राजनीति चरम सीमा पर है। 5 साल में छबड़ा, भीलवाड़ा, करौली, जोधपुर, चित्तौड़गढ़, नोहर, मेवात, मालपुरा, जयपुर में सुनियोजित दंगे हुए हैं। वोटबैंक पॉलिटिक्स के कारण गहलोत सरकार ने दंगाइयों पर कोई ठोक कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा की नरेन्द्र मोदी सरकार ने राजस्थान में करोडों लाभार्थियों को केन्द्र की योजनाओं का सीधा लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचाया है। भाजपा नेता ने दावा किया कि सालासर में राम दरबार पर बुलडोजर चलाया, अलवर में शिवलिंग को ड्रिलिंग मशीन से तोड़ दिया, कठूमर में गौशाल पर बुलडोजर घुमा दिया, राजस्थान में ऐसे तुष्टिकरण के कई मामले देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पिछले 5 साल में 2 लाख से ज्यादा महिलाओं के खिलाफ अपराध के मुकदमे दर्ज हुए हैं। 35 हजार से ज्यादा दुष्कर्म की घटनाएं हुईं, 15 हजार से ज्यादा कम उम्र की बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हुईं, प्रतिदिन 19 बलात्कार के मामले राजस्थान में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लाल डायरी भ्रष्टाचार का प्रतीक है। यहां कई सारे गबन के मामले हुए हैं। सचिवालय में 2 करोड़ 35 लाख और एक किलो सोना मिला है। इसके बावजूद गहलोत सरकार की पेट का पानी नहीं हिलता। शाह ने कहा कि राजस्थान में किसानों का हाल भी बेहाल है। 10 दिनों के अंदर कर्जमाफी का वादा कर सत्ता में आई गहलोत सरकार 5 साल में 5 प्रतिशत किसानों का भी कर्ज माफ नहीं किया।

डीप फेक को अश्विनी वैष्णव ने बताया लोकतंत्र के लिए नया खतरा, बोले- लाए जाएंगे नए नियम

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज डीप फेक के मुद्दे पर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों और हितधारकों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 'डीपफेक' लोकतंत्र के लिए एक नया खतरा बनकर उभरा है। उन्होंने आगे कहा कि 'डीपफेक' से निपटने के लिए हमारे पास जल्द ही नए नियम होंगे। अश्विनी वैष्णव की यह बैठक प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग पर चिंताओं और 'डीपफेक' पर नकेल कसने के लिए डिजिटल मंचों को प्रोत्साहित करने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है। हाल ही में, बॉलीवुड के कई कलाकारों को निशाना बनाने वाले कई 'डीपफेक' वीडियो सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित हो गए थे। अश्विनी वैष्णव ने यह भी बताया कि आज लिए गए निर्णयों पर अमल करने के लिए हम दिसंबर के पहले सप्ताह में अगली बैठक (हितधारकों के साथ) करेंगे। उन्होंने कहा कि डीपफेक समाज में एक नया खतरा बनकर उभरा है। हमें तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ एक बैठक हुई। हमें चार पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना है– डीप फेक का पता लगाना, रोकथाम, रिपोर्टिंग तंत्र और जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है।

महुआ मोइत्रा मामले में ममता ने तोड़ी चुप्पी, भाजपा पर साधा निशाना

केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा आरक्षण खत्म करना चाहती है और वह इसका विरोध करेंगी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अपनी पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा पर चुप्पी तोड़ते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की योजना बनाई जा रही है, लेकिन चुनाव से पहले इस कदम से उन्हें मदद मिलेगी। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा आरक्षण खत्म करना चाहती है और वह इसका विरोध करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने वाली केंद्रीय एजेंसियां 2024 के आम चुनावों के बाद भाजपा के पीछे पड़ जाएंगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भगवा रंग 'त्यागियों' का है, लेकिन आप 'भोगी' हैं। तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यक्रम में ममता ने कहा कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में होता तो भारत जीत जाता। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने विरोध किया इसलिए भारतीय टीम को मैच के दौरान भगवा रंग की जर्सी नहीं पहननी पड़ी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि केंद्र में यह सरकार तीन महीने और रहेगी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में तस्करी के लिए अलग–अलग राज्यों से गाय लाई जाती हैं, वहां ''पैसे'' कौन लेता है। उन्होंने कहा कि देश के बैंकिंग क्षेत्र में निराशा का माहौल, सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) बेचे जा रहे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी बड़ी आईटी कंपनियां कोलकाता की 'सिलिकॉन वैली' परियोजना में निवेश कर रही हैं। नेताजी इंडोर में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक से तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने बीजेपी को कड़ी चेतावनी दी। ममता एक बार फिर केंद्र के शैरिकीकरणश की बात करने लगी हैं। संयोग से विश्व कप फाइनल में हार के बाद विपक्ष ने एक साथ प्रधानमंत्री पर निशाना साधना शुरू कर दिया। उस दिन ममता ने कहा था, श्अगर फाइनल कोलकाता या वानखेड़े में होता तो भारत जीत जाता। हमने 10 मैच जीते। संयोग से, ममता ने विश्व कप के दौरान भारत की अभ्यास जर्सी पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने वाली केंद्रीय एजेंसियां 2024 के आम चुनावों के बाद भाजपा के पीछे पड़ जाएंगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भगवा रंग 'त्यागियों' का है, लेकिन आप 'भोगी' हैं। तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यक्रम में ममता ने कहा कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में होता तो भारत जीत जाता। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने विरोध किया इसलिए भारतीय टीम को मैच के दौरान भगवा रंग की जर्सी नहीं पहननी पड़ी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि केंद्र में यह सरकार तीन महीने और रहेगी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में तस्करी के लिए अलग–अलग राज्यों से गाय लाई जाती हैं, वहां ''पैसे'' कौन लेता है।

हलाल उत्पादों के नाम पर बाजारों का हो रहा इस्लामिकरण, गिरिराज सिंह ने नीतीश से की बात

नई दिल्ली (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में हलाल–प्रमाणित खाद्य उत्पादों पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध की प्रतिध्वनि करते हुए एक साहसिक कदम में, केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इसका पालन करने का आग्रह किया है। राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर अपने मुखर रुख के लिए जाने जाने वाले सिंह का मानना घ्है कि संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए ऐसी वस्तुओं पर प्रतिबंध आवश्यक है। बिहार के मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में, गिरिराज ने आरोप लगाया कि तेल, नमकीन, दवाएँ, मिठाई और सौंदर्य प्रसाधन जैसे हलाल–प्रमाणित खाद्य पदार्थों का व्यवसाय राज्य भर में अनियंत्रित रूप से फल–फूल रहा है, जो भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन है। मीडिया से बातचीत में गिरिराज सिंह ने कहा कि मुझे लगता है कि श्हलालश उत्पादों के नाम पर देश के बाजारों का श्इस्लामिकरणश हो रहा है। जजिया टैक्स वसूला जा रहा है. ..इस पर जांच शुरू करने के लिए मैं योगी सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं...मैंने बिहार के सीएम से कहा कि आपने विधानसभा में बहुत ज्ञान दे दिया, अब इस पर नियंत्रण लगाएं। सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को कुमार को लिखे एक पत्र की एक प्रति भी साझा की।

सम्पादकीय

सुरंग संकेत देती है

बारह नवंबर को जब लोग दीपावली के त्योहार की खुशी मना रहे थे। तब सुबह साढ़े पांच बजे यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिल्क्यारा से बड़कोट की तरफ चारधाम ऑल वेदर रोड हेतु निर्माणाधीन 4.5 किलोमीटर सुरंग में भारी भू–धंसाव के कारण 40 से ज्यादा मजदूर जिंदगी और मौत के बीच फंस गए, जो अब तक निकाले नहीं जा सके हैं। दुखद है कि मजदूरों को दिवाली वाले दिन भी इतने जोखिम भरे काम पर लगाया गया। सुरंग के मुहाने से 230 मीटर आगे 60 मीटर की लंबाई में मलबा भरने के कारण अंदर फंसे मजदूर किस स्थिति में जी रहे होंगे, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। यह घटना सवाल पैदा करती है कि विकास कार्यों व हिमालय की संवेदनशीलता के बीच संतुलन कैसे स्थापित हो। वैज्ञानिक युग की मशीनों की ताकत पहाड़ की संवेदनशीलता के सामने बौनी पड़ रही है, क्योंकि ड्रिलिंग कार्य में बड़े पत्थर बाधा बन रहे हैं। वहीं अंदर मलबे में दबी मशीनें भी अवरोध बन रही हैं। निर्माण कार्यों में मजदूरों के अधिकार और उनकी जीवन रक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और इसके लिए उपाय किए जाने चाहिए। एक समस्या यह है कि जोखिमपूर्ण स्थितियों में मीडिया और अन्य के दबाव में प्रभावितों की सूची तो बाहर आती है, लेकिन मजदूरों को काम पर लगाने से पहले उनके बारे में जो जानकारी, जैसे श्रम विभाग में पंजीकरण आदि, निर्माणकर्ताओं के पास होनी चाहिए थी, वह उपलब्ध नहीं हो पाती है। यदि सुरंग का निर्माण विस्फोटों से होता है, तो वह मजदूरों के लिए इसी तरह जानलेवा साबित हो सकती है। विस्फोटों का इतना दुष्प्रभाव है कि ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन (126 किलोमीटर) के लिए खोदी जा रही सुरंग के ऊपर लगभग 30 गांव के घरों में दरारें आ चुकी हैं। जल स्रोतों पर प्रभाव पड़ रहा और जमीन की नमी भी सूख रही है। इस सुरंग में पहले भी भूस्खलन की सूचनाएं आती रही हैं। यदि यहां ह्यूम पाइप भी लगे होते, तो फंसे हुए मजदूरों को तत्काल बाहर निकाला जा सकता था। सिल्क्यारा सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटना कोई नई नहीं है। इससे पहले भी 2021 में बद्रीनाथ के पास ऋषि गंगा में आई भीषण बाढ़ के कारण तपोवन सुरंग के अंदर जमा हुए भारी मलबे में 206 मजदूरों की जान चली गई थी। 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में मनेरी भाली सुरंग के ऊपर बसे हुए जामक गांव में दर्जनों लोग मारे गए थे। वर्ष 2005 में जोशियाडा–धरासू सुरंग में भी 20 श्रमिक करीब 14 घंटे तक फंसे रहे। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के समय भी सुरंग परियोजनाओं के मलबे के कारण ही भीषण तबाही हुई थी। इस वर्ष जोशीमठ में हुए भू–धंसाव का कारण भी स्थानीय लोग इसके नीचे सुरंग निर्माण को ही मानते हैं। उत्तराखंड में सुरंग आधारित परियोजनाओं को जमीन पर उतारने के तेज प्रयास हो रहे हैं। पिछले दिनों देहरादून में दुनिया भर के सुरंग विशेषज्ञों ने इस विषय पर चर्चा की है। अब रानीपोखरी से टिहरी झील तक 32 किलोमीटर सुरंग निर्माण की तैयारी चल रही है। मसूरी के नाग मंदिर रोड से छतरी बैंड कैंप्टी रोड तक सुरंग के लिए सर्वे हुआ था। लेकिन सुरक्षा कारणों से ही इसे रोकने की बात कही जा रही है। घुत्तू से गुप्त काशी तक 11 किलोमीटर की सुरंग है। प्रस्तावित 120 किलोमीटर लंबी गंगोत्री रेल लाइन का ज्यादातर हिस्सा सुरंग के अंदर होगा और इसके ऊपर भी सैकड़ों गांव होंगे। उत्तराखंड में प्रस्तावित 558 बांधों के लिए सैकड़ों किलोमीटर लंबी सुरंग के ऊपर हजारों गांव होंगे, तो उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता में होनी चाहिए। आजकल सोशल मीडिया पर भी वैज्ञानिक और पर्यावरणविद लिख रहे हैं कि इन प्रस्तावित और निर्माणाधीन सुरंगों में भी जिंदगी अटक सकती है। उत्तरकाशी में पिछले तीन दशक में 70 से अधिक बार भूकंप आ चुका है और धरती में दरारें चौड़ी हो रही हैं। सुरंगों से धरती खोखली हो जाती है, जिसके चलते तेज भूकंप के दौरान भारी तबाही हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि बड़ी परियोजनाओं में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पहले से ही कोई ठोस योजना तैयार की जाए।

शराब सिर्फ एक नकाब है, जो हमारे दिमाग को धुंधला कर देता है

इस बार हमारी टीम वर्ल्ड कप फाइनल में पिट गई, हजारों ख्वाहिशें मिट गईं। मायूस चेहरे स्टेडियम से बाहर निकल ही रहे थे कि वाट्सएप पर किसी ने टिप्पणी दी– ये लोग जाएंगे कहां अपना गम मिटाने के लिए? गुजरात में निषेध जो है, तो बस नींबू पानी सोडा पीना पड़ेगा। और कोई चारा नहीं। वैसे एल्कोहल शब्द काफी शालीन लगता है। पुरानी फिल्मों में एक होते थे कर्नल साहब। अपने वफादार कुत्ते टॉमी की कंपनी में वो बड़े स्टाइल से पैग मारते थे। दूसरी तरफ हाथ में बोतल लिए, सड़क पर लड़खड़ाता हुआ बेवड़ा। शायद उसके सच्चे प्यार पर लड़की के बाप ने फ्रिज का ठंडा पानी फेंक दिया हो। और उस जमाने में डेटिंग एप थोड़े ही थे कि बंदा खोलकर अपने लिए झट से कोई नई प्रोफाइल ढूंढ ले। ना जी ना, सच्चा प्यार खोने के गम ने ही तो जन्म दिया शायरी को। क्योंकि हसीना की जुल्फें सिर्फ कविताओं में मिलती हैं। शादी बाद मिलते हैं सिंक में बाल। बाल की बात निकली तो मैं आपको बता दूं कि मार्केट में आजकल बीयर शैंपू बिक रहा है। कहते हैं इससे बाल लंबे और घने रहते हैं। अगर आपने वीकेंड पर पार्टी करी, एक–दो बीयर फ्रिज में रह गईं और सास की नजर पड़ गई तो सीधा उन्हें झड़ते हुए बालों की दुख भरी कहानी सुना देना। वैसे पार्टी में एक–दो ड्रिंक लेना कोई बुरी बत नहीं। लेकिन बच्चों को कैसे बताया जाए? जब मेरी बेटी 3–4 साल की थी उसने पूछा, तो हमने कह दिया कि बड़े लोग पेप्सी में दवाई डालकर पीते हैं। उसने मान लिया। फिर एक दिन किसी गेदरिंग में 50 लोगों के सामने वही शब्द रिपीट कर दिए। उफ्फ! सच कहूं तो वो अब वो स्टिगमा रहा नहीं। पहले बरात के पहले कोने में खड़े होकर दूल्हे के दोस्त एक–दो पैग मारते थे। अब तो कुछ शादियों में पूरा बार सेटअप किया हुआ है। तो छिपने–छिपाने की जरूरत नहीं। इधर प्रॉब्लम कुछ और है। अगर आप कहें मुझे सिर्फ पेप्सी चाहिए तो दवाई के साथ पिलाने पर दोस्त अड़ जाते हैं। एक ड्रिंक से कुछ नहीं होता... ले लो। ऐसे में हारकर आप ड्रिंक लेकर खड़े हो सकते हैं। पीना या ना पीना आपकी इच्छा। मौका मिलते ही झाड़ के पीछे फेंक दिया। वैसे ये गलतफहमी है कि ड्रिंक के बिना आप पूरी तरह एंजॉय नहीं कर सकते। आपके आसपास पी–पीकर जब लोग अजीब हरकतें शुरू करेंगे तो ड्रामा का आनंद वही लेगा, जो होश में है। खैर, समस्या अब ये है कि ड्रिंकिंग को कूल माना जाता है। लेकिन 21 से कम तो मना है। तो आजकल स्कूल के बच्चे अपना फेक आईडी कार्ड बनाकर पब में जाते हैं। पब वालों को पता है, लेकिन फॉर्मेलिटी पूरी करके उन्हें अंदर ले लेते हैं। आखिर उन्हें तो ग्राहक चाहिए। दोनों के लिए विन–विन। अब सोलह–सत्रह साल के स्टूडेंट को किसी ने सिखाया नहीं। वो तो बस टुन्न होना चाहते हैं। शॉट पर शॉट मारना और अगले दिन सिर में तेज दर्द– उनका रूटीन–सा बन जाता है। कुछ पैरेंट्स को पता है, मॉडर्न होने के चक्कर में अनदेखा कर देते हैं। बाकियों को तो खबर ही नहीं। बोर्ड एग्जाम का प्रेशर तो सब महसूस करते हैं। मन हल्का करने के लिए कुछ टीनेजर्स छुप–छुपकर पीने लगते हैं। मगर सच तो ये है कि समस्या से दूर भागने से समस्या खत्म नहीं होती। शराब सिर्फ एक नकाब है जो दिमाग को धुंधला करता है। तो क्यों न हम अपने शौक पर लगाम रखें। क्या अकेले में भी दिल मचलता है? ऐसे होती है आदत की शुरुआत। कीजिए अपने करीब किसी से बात। कौन–सी समस्या से आप भागना चाहते हैं? क्या पीकर सचमुच छुटकारा पाते हैं? बहानेबाजी बंद कीजिए। सही तरफ कदम लीजिए। जीवन ही इतना मधुर बनाएं। अति–आनंद उसमें नशा पाएं। कहते हैं इससे बाल लंबे और घने रहते हैं। अगर आपने वीकेंड पर पार्टी करी, एक–दो बीयर फ्रिज में रह गईं और सास की नजर पड़ गई तो सीधा उन्हें झड़ते हुए बालों की दुख भरी कहानी सुना देना। वैसे पार्टी में एक–दो ड्रिंक लेना कोई बुरी बत नहीं। लेकिन बच्चों को कैसे बताया जाए? जब मेरी बेटी 3–4 साल की थी उसने पूछा, तो हमने कह दिया कि बड़े लोग पेप्सी में दवाई डालकर पीते हैं। उसने मान लिया। फिर एक दिन किसी गेदरिंग में 50 लोगों के सामने वही शब्द रिपीट कर दिए। उफ्फ! सच कहूं तो वो अब वो स्टिगमा रहा नहीं। पहले बरात के पहले कोने में खड़े होकर दूल्हे के दोस्त एक–दो पैग मारते थे।

राजनीतिक एजेंडे में शामिल हो पर्यावरण का मामला

शशांक द्विवेदी

सच्चाई तो यह है कि अब समय आ गया है जब पर्यावरण का मुद्दा राजनीतिक पार्टियों के साथ आम आदमी की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होना चाहिए। क्योंकि अब भी अगर हमनें इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया, तो आगे आने वाला समय भयावह होगा। फिलहाल देश के सभी बड़े शहरों में वायु प्रदूषण अपने निर्धारित मानकों से बहुत ज्यादा है। दिल्ली में पिछले 18 सालों में कैंसर से होने वाली मौतें साढ़े तीन गुना तक बढ़ गई हैं और डॉक्टर इसका एक कारण प्रदूषण भी मानते हैं। इस बीच राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के साल 2012 से साल 2016 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कैंसर रजिस्ट्री वाले सभी स्थानों में राजधानी दिल्ली में सबसे ज्यादा लोगों की रजिस्ट्री हुई है। इस आंकड़े के अनुसार 0 से 14 साल के उम्र के बच्चों में कैंसर का प्रतिशत 0.7 प्रतिशत से 3.7 प्रतिशत के बीच है। इस रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण बच्चों में कैंसर होने का खतरा ज्यादा हो जाता है क्योंकि बच्चे वयस्कों की तुलना में ज्यादा तेजी से सांस लेते हैं और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी करते हैं। इसके अलावा बच्चे ज्यादातर जमीन के करीब रहते हैं, जहां प्रदूषक जमा होता रहता हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में जिस तरीके से वातावरण में प्रदूषण फैला हुआ है।

पिछले कुछ समय से राजधानी दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों में वायु प्रदूषण जानलेवा स्तर तक पहुंच गया है। पिछले दिनों जब पूरी दिल्ली धुएं और धुंध की चपेट में थी, उस दौरान हर आम और खास को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन सहित कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगी थी। अभी भी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार गंभीर श्रेणी में बना हुआ है, और लगभग यही हाल देश के सभी शहरों का है। दिवाली के बाद दिल्ली–एनसीआर का वातावरण जहरीला बना हुआ है। एक बड़ी सच्चाई यह भी है कि अगर हमनें वायु प्रदूषण को कम करने के तत्काल कदम नहीं उठाए तो भविष्य में इसकी बड़ी कीमत हम सबको चुकानी पड़ेगी। कुल मिलाकर कथित विकास के पीछे विनाश की आहट धीरे–धीरे दिखाई और सुनाई पड़ने लगी है। हालात इतने बदतर हो गए हैं कई बार वायु प्रदूषण मापने वाला इंडेक्स ही नहीं काम करता है। मतलब वह उच्चतम स्तर तक पहुंच जाता है। सच्चाई यह है कि अधिकांश राजनीतिक दलों के एजेंडे में पर्यावरण संबंधी मुद्दा है ही नहीं, ना ही उनके चुनावी घोषणापत्र में पर्यावरण, प्रदूषण कोई मुद्दा रहता है। देश में हर जगह, हर तरफ, हर पार्टी विकास की बातें करती है लेकिन ऐसे विकास का क्या फायदा जो लगातार विनाश को आमंत्रित करता है। ऐसे विकास को क्या कहें जिसकी वजह से सम्पूर्ण मानवता का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया हो। सच्चाई तो यह है कि अब समय आ गया है जब पर्यावरण का मुद्दा राजनीतिक पार्टियों के साथ आम आदमी की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होना चाहिए। क्योंकि अब भी अगर हमनें इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया, तो आगे आने वाला समय भयावह होगा। फिलहाल देश के सभी बड़े शहरों में वायु प्रदूषण अपने निर्धारित मानकों से बहुत ज्यादा है। दिल्ली में पिछले 18 सालों में कैंसर से होने वाली मौतें साढ़े तीन गुना तक बढ़ गई हैं और डॉक्टर इसका एक कारण प्रदूषण भी मानते हैं। इस बीच राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के साल 2012 से साल 2016 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कैंसर रजिस्ट्री वाले सभी स्थानों में राजधानी दिल्ली में सबसे ज्यादा लोगों की रजिस्ट्री हुई है। इस आंकड़े के अनुसार 0 से 14 साल के उम्र के बच्चों में कैंसर का प्रतिशत 0.7 प्रतिशत से 3.7 प्रतिशत के बीच है। इस रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण बच्चों में कैंसर होने का खतरा ज्यादा हो जाता है क्योंकि बच्चे वयस्कों की तुलना में ज्यादा तेजी से सांस लेते हैं और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी करते हैं। इसके अलावा बच्चे ज्यादातर जमीन के करीब रहते हैं, जहां प्रदूषक जमा होता रहता हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में जिस तरीके से वातावरण में प्रदूषण फैला हुआ है। वह बड़ों से लेकर बच्चों तक के लिए काफी हानिकारक है। दिल्ली के ज्यादातर अस्पतालों में प्रदूषण के कारण बीमार हो रहे लोग भर्ती किए जा रहे हैं। फिलहाल इस जहरीली हवा में कई प्रदूषक मौजूद हैं, जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ), नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ), नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2), ओजोन (ओटीएच), आदि। यह सभी तत्व इंसानी शरीर के लिए खतरनाक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का वातावरण बेहद जहरीला हो गया है। यदि वायु प्रदूषण रोकने के लिए शीघ्र कदम नहीं उठाए गए तो इसके गंभीर परिणाम सामने आएंगे। कुछ वर्षो पहले तक बीजिंग की गिनती दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में होती थी, लेकिन चीन की सरकार ने इस समस्या को दूर करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट श्वायु प्रदूषण और बाल स्वास्थ्य प्रिस्क्राइबिंग क्लीन एयरश के अनुसार भारत में पिछले पांच साल में जहरीली हवा के कारण सबसे ज्यादा, 5 साल से कम उम्र के बच्चों की असामयिक मौत हुई हैं। इसी रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ बाहरी वायु प्रदूषण के कारण हर घंटे लगभग सात बच्चे मर जाते हैं, और उनमें से आधे से अधिक लड़कियां होती हैं। ग्रीनपीस इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति भयावह है। कुल 168 भारतीय शहरों में से एक भी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मानकों के अनुरूप नहीं है। इस संगठन ने आरटीआई समेत कई स्रोतों के हवाले से बताया है कि भारत में हर साल वायु प्रदूषण के चलते 12 लाख लोगों की जान चली जाती है। यह तादाद तंबाकू के सेवन से हर साल काल का ग्रास बनने वालों के अनुपात से बस थोड़ी सी ही कम है। इतना ही नहीं, देश का तीन प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) जहरीली हवा के धुएं में घुल जाता है। अगर देश का विकास जरूरी है तो सबसे पहले वायु प्रदूषण से लड़ना होगा। एक अध्ययन के मुताबिक वायु प्रदूषण भारत में मौत का पांचवां बड़ा कारण है। हवा में मौजूद पीएम25 और पीएम10 जैसे छोटे कण मनुष्य के फेफड़े में पहुंच जाते हैं, जिससे सांस व हृदय संबंधित बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे फेफड़ा का कैंसर भी हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का नया अध्ययन यह बताता है कि हम वायु प्रदूषण की समस्या को दूर करने को लेकर कितने लापरवाह हैं और यह समस्या कितनी विकट होती जा रही है। खास बात यह है कि ये समस्या सिर्फ दिल्ली में ही नहीं है बल्कि देश के लगभग सभी शहरों की हो गई है। अगर हालात नहीं सुधरे तो वो दिन दूर नहीं जब शहर रहने के लायक नहीं रहेंगे। जो लोग विकास, तरक्की और रोजगार की वजह से गांव से शहरों की तरफ आ गए हैं उन्हें फिर से गांवों की तरफ रुख करना पड़ेगा। स्वच्छ वायु सभी मनुष्यों, जीवों एवं वनस्पतियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके महत्त्व का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि मनुष्य भोजन के बिना हफ्तों तक जल के बिना कुछ दिनों तक ही जीवित रह सकता है, किन्तु वायु के बिना उसका जीवित रहना असम्भव है। मनुष्य दिन भर में जो कुछ लेता है उसका 80 प्रतिशत भाग वायु है। प्रतिदिन मनुष्य 22000 बार सांस लेता है। इस प्रकार प्रत्येक दिन में वह 16 किलोग्राम या 35 गैलन वायु ग्रहण करता है। वायु विभिन्न गैसों का मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन की मात्रा सर्वाधिक 78 प्रतिशत होती है जबकि 21 प्रतिशत ऑक्सीजन तथा 0.03 प्रतिशत कार्बन डाइ ऑक्साइड पाया जाता है तथा शेष 0.97 प्रतिशत में हाइड्रोजन, हीलियम, आर्गन, निऑन, क्रिप्टन, जेनान, ओजोन तथा जल वाष्प होती है। वायु में विभिन्न गैसों की उपरोक्त मात्रा उसे संतुलित बनाए रखती है। इसमें जरा सा भी अन्तर आने पर वह असंतुलित हो जाती है और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित होती है। श्वसन के लिए ऑक्सीजन जरूरी है। जब कभी वायु में कार्बन डाई ऑक्साइड, नाइट्रोजन के ऑक्साइडों की वृद्धि हो जाती है, तो यह खतरनाक हो जाती है। सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि देश के कई शहरों का वातावरण बेहद प्रदूषित हो गया है। इसे रोकने के लिए सरकार को अब जवाबदेही के साथ एक निश्चित समय सीमा के भीतर ठोस प्रयास करना पड़ेगा नहीं तो प्राकृतिक आपदाओं के लिए हमें तैयार रहना होगा। जिस तरह से आज राजधानी दिल्ली के लोग शुद्ध हवा में सांस लेने को तरस रहें हैं। ऐसे में वो दिन दूर नहीं जब देश के अधिकांश शहरों का यही हाल होगा इसलिए हमें कल से नहीं बल्कि आज से या कहे अभी से इस रोकने के लिए तत्काल कदम उठाना होगा। सरकार के साथ साथ समाज और व्यक्तिगत स्तर पर भी काम करना होगा तभी इन सब से छुटकारा मिल पाएगा। सच्चाई तो यह है कि अब समय आ गया है जब पर्यावरण का मुद्दा राजनीतिक पार्टियों के साथ आम आदमी की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होना चाहिए। क्योंकि अब भी अगर हमनें इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया, तो आगे आने वाला समय भयावह होगा। फिलहाल देश के सभी बड़े शहरों में वायु प्रदूषण अपने निर्धारित मानकों से बहुत ज्यादा है। दिल्ली में पिछले 18 सालों में कैंसर से होने वाली मौतें साढ़े तीन गुना तक बढ़ गई हैं और डॉक्टर इसका एक कारण प्रदूषण भी मानते हैं। इस बीच राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के साल 2012 से साल 2016 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कैंसर रजिस्ट्री वाले सभी स्थानों में राजधानी दिल्ली में सबसे ज्यादा लोगों की रजिस्ट्री हुई है। इस आंकड़े के अनुसार 0 से 14 साल के उम्र के बच्चों में कैंसर का प्रतिशत 0.7 प्रतिशत से 3.7 प्रतिशत के बीच है। इस रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण बच्चों में कैंसर होने का खतरा ज्यादा हो जाता है क्योंकि बच्चे वयस्कों की तुलना में ज्यादा तेजी से सांस लेते हैं और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी करते हैं। इसके अलावा बच्चे ज्यादातर जमीन के करीब रहते हैं, जहां प्रदूषक जमा होता रहता हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में जिस तरीके से वातावरण में प्रदूषण फैला हुआ है। वह बड़ों से लेकर बच्चों तक के लिए काफी हानिकारक है। दिल्ली के ज्यादातर अस्पतालों में प्रदूषण के कारण बीमार हो रहे लोग भर्ती किए जा रहे हैं। फिलहाल इस जहरीली हवा में कई प्रदूषक मौजूद हैं, जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ), नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ), नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2), ओजोन (ओटीएच), आदि। यह सभी तत्व इंसानी शरीर के लिए खतरनाक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का वातावरण बेहद जहरीला हो गया है। यदि वायु प्रदूषण रोकने के लिए शीघ्र कदम नहीं उठाए गए तो इसके गंभीर परिणाम सामने आएंगे। कुछ वर्षो पहले तक बीजिंग की गिनती दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में होती थी, लेकिन चीन की सरकार ने इस समस्या को दूर करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट श्वायु प्रदूषण और बाल स्वास्थ्य प्रिस्क्राइबिंग क्लीन एयरश के अनुसार भारत में पिछले पांच साल में जहरीली हवा के कारण सबसे ज्यादा, 5 साल से कम उम्र के बच्चों की असामयिक मौत हुई हैं। इसी रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ बाहरी वायु प्रदूषण के कारण हर घंटे लगभग सात बच्चे मर जाते हैं, और उनमें से आधे से अधिक लड़कियां होती हैं। ग्रीनपीस इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति भयावह है।

मुस्लिमों की तुष्टिकरण नीति से बढ़ी राजनीतिक असमानता

सबसे पहले, विपक्ष की राजनीति भाजपा को श्मुस्लिम विरोधीश करार देने के इर्द–गिर्द घूमती है। दूसरा, विपक्षी दल मुस्लिम वोटों के लाभार्थी रहे है। तीसरा, पसमांदा मुद्दा मुस्लिम समुदाय के भीतर सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने की कुंजी है। चौथा, इसका उद्देश मुस्लिम समुदाय के राजनीतिक व्यवहार में बदलाव लाना है। पांचवां, यह उस धुरी का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके जरिये भाजपा मुसलमानों से जुड़ने की कोशिश कर रही है। छठा, यह मुस्लिम राजनीति में दुर्लभ घटना है, जिसमें एक उप–समूह, न कि मुस्लिम गुट सुर्खियों में है।

शिव शरण शुक्ला

नवगठित श्इंडियाश गठबंधन में शामिल न विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा द्वारा पसमांदा मुसलमानों से संपर्क स्थापित करने पर चुप्पी साध रखी है। भाजपा की ओडिशा, हैदराबाद और नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठकों में और हाल ही में भोपाल में, पसमांदा मुसलमानों के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावों पर बहुत कुछ लिखा गया, लेकिन विपक्ष की चुप्पी का अब तक विश्लेपण नहीं किया गया है। हाल ही में बिहार सरकार द्वारा जारी जाति सर्वेक्षण के नतीजों से कुलीन मुसलमानों के तुष्टिकरण की बू आती है, क्योंकि शेखोरा, ठकुराई और कुलैया मुस्लिम समूहों जैसी कई अगड़ी मुस्लिम जातियों को अत्यंत पिछड़ी जाति (ईबीसी) श्रेणी में शामिल किया गया है। मसलन, कुलेया मुसलमान अप्रवासी मुसलमानों के वंशज है, जो मुगलों के साथ भारत आए थे। इससे न केवल पचित पसमांदा समूह, बल्कि कई हिंदू ईवीसी भी इस श्रेणी का लाभ पाने पाने से से वंचित हो सकते हैं। विपक्ष की यह चूक और पसमांदा मुद्दे पर उनकी चुप्पी आश्चर्यजनक है, क्योंकि यह मुद्दा कई कारणों से गहरे निहितार्थ रखता है। सबसे पहले, विपक्ष की राजनीति भाजपा को श्मुस्लिम विरोधीश करार देने के इर्द–गिर्द घूमती है। दूसरा, विपक्षी दल मुस्लिम वोटों के लाभार्थी रहे है। तीसरा, पसमांदा मुद्दा मुस्लिम समुदाय के भीतर सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने की कुंजी है। चौथा, इसका उद्देश मुस्लिम समुदाय के राजनीतिक व्यवहार में बदलाव लाना है। पांचवां, यह उस धुरी का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके जरिये भाजपा मुसलमानों से जुड़ने की कोशिश कर रही है। छठा, यह मुस्लिम राजनीति में दुर्लभ घटना है, जिसमें एक उप–समूह, न कि मुस्लिम गुट सुर्खियों में है। भारत में मुसलमानों को तीन प्रमुख वर्गों में बांटा गया है–अशरफ, अजलाफ और अरजाल–जो अगड़े, पिछड़े और अत्यंत पिछड़े के अनुरूप हैं। पसमांदा, बाद के दो हाशिये के समूहों के लिए एक व्यापक शब्द है, जिसमें 40 से अधिक जातियां हैं और जिनमें लगभग 4ध्5वां हिस्सा मुस्लिम जनसंख्या शामिल है। शेष मुस्लिम आबादी यानी 1ध्5वां हिस्सा अशराफ का प्रतिनिधित्व करती है। पर अल्पसंख्यक अशराफ को असंगत रूप से उच्च राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करके विपक्ष ने मुसलमानों को सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को बढ़ा दिया है। हालिया रुझान इसे साबित करते हैं। लोकसभा में 25 मुस्लिम सांसदों में से 18 अशराफ और सात पसमांदा हैं। उत्तर प्रदेश में जहां पसमांदा की आबादी 65–70 फीसदी है, पिछले लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के केवल एक चौथाई और कांग्रेस के नौवां हिस्सा मुस्लिम उम्मीदवार पसमांदा थे। बिहार में, जहां पसमांदा आबादी सबसे ज्यादा है, वहां महागठबंधन के ज्यादातर मुस्लिम विधायक अशराफ हैं। इसके विपरीत भाजपा ने हाल में पसमादाओं की अधिक समावेशिता प्रदर्शित की है। उत्तर प्रदेश में 2023 के शहरी स्थानीय निकाय चुनाबों में भाजपा के कुल 395 मुसलमान उम्मीदवारों में से 299 पसमांदा थे। 61 विजयी मुस्लिम उम्मीदवारों में से 51 पसमांदा वर्ग के हैं। यूपी विधान परिषद में सरकार के दो नवीनतम उम्मीदवार पसमांदा हैं। अशराफ का वर्चस्व विपक्षी दलों के एजेंडे में शामिल मुद्दों में भी दिखता है। इस से पता चलता है कि केंद्र में कांग्रेस, यूपी में एसपी और बंगाल में टीएमसी के शासनकाल में मुस्लिम पर्सनल लॉ, बाबरी मस्जिद, मस्जिदों को राज्य संरक्षण आदि के मुद्दों का राजनीतिकरण क्यों किया गया। भाजपा का दृष्टिकोण अलग है, क्योंकि वह श्भेदभाव के विना विकासश के मुद्दे पर मुसलमानों के साथ जुड़ने का विकल्प चुन रही है। उदाहरण के लिए, स्वच्छ भारत अभियान के तहत, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम लाभार्थियों की संख्या 22 फीसदी थी, जबकि उनकी आवादी 18 फीसदी है। कई पसमांदा जातियां कम वेतन वाले व्यवसायों में लगी हुई हैं, जैसे बुनकर (अंसारी), प्रिंटर (दर्जी छिपी), कॉटन कार्डर्स (मंसूरी) आदि, जो पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थी हैं। इससे पता चलता है कि पसमांदा के मुद्दों पर विपक्ष की चुप्पी जानबूझकर है। पसमांदा लोग विकल्प तलाश रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, भाजपा को मुस्लिम समुदाय में पैठ बनाने का अवसर महसूस हो रहा है। 2024 के आम चुनाव से पता चलेगा कि टोनों छोर मिलते हैं या नहीं। सबसे पहले, विपक्ष की राजनीति भाजपा को श्मुस्लिम विरोधीश करार देने के इर्द–गिर्द घूमती है। दूसरा, विपक्षी दल मुस्लिम वोटों के लाभार्थी रहे है। तीसरा, पसमांदा मुद्दा मुस्लिम समुदाय के भीतर सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने की कुंजी है। चौथा, इसका उद्देश मुस्लिम समुदाय के राजनीतिक व्यवहार में बदलाव लाना है। पांचवां, यह उस धुरी का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके जरिये भाजपा मुसलमानों से जुड़ने की कोशिश कर रही है। छठा, यह मुस्लिम राजनीति में दुर्लभ घटना है, जिसमें एक उप–समूह, न कि मुस्लिम गुट सुर्खियों में है।

उस धरती पर इजराइल और फिलिस्तीन दोनों का हक

आज एल्डुअस हक्सले की 60वीं पुण्यतिथि है। इस अवसर पर मुझे उनके उपन्यास 'आईलेस इन गाजा' की याद आ रही है। 1936 में प्रकाशित इस उपन्यास को आज शायद ही कोई पढ़ता होगा, लेकिन यह हक्सले का सबसे लम्बा (600 पेज) और महत्वाकांक्षी उपन्यास था। उसका शीर्षक एक अन्य कृति (जॉन मिल्टन की नाटकीय–कविता 'सैमसन एगोनिस्ट्स') की ओर संकेत करता है, जो 250 साल पहले लिखी गई थी। यह यहूदी नायक सैमसन के पतन का वर्णन करती है। सोरेन घाटी की उसकी प्रेमिका डेलिलाह– जो फिलिस्तीनी है– ने उसे धोखा दिया है। सोरेन घाटी को हिब्रू में नाअल सोरेक या अरबी में वादी अल–सिरार कहा जाता है। वह आज भी मौजूद है। ओल्ड टेस्टामेंट में इसे फिलिस्तीनियों और डैन की यहूदी जाति के बीच सीमा के रूप में दर्शाया गया है। सैमसन को धोखे से बंदी बना लिया जाता है, उसकी आंखें फोड़ दी जाती हैं और उससे गुलामों की तरह काम लिया जाता है। लेकिन अंतिम अंक में जब उससे फिलिस्तीन के उपासनागृह में प्रदर्शन करने को कहा जाता है तो वह उसके स्तम्भ को उखाड़ देता है और पूरी इमारत ढह जाती है। मलबे में शत्रुओं सहित उसकी भी मृत्यु हो जाती है। यह कविता लिखते समय खुद मिल्टन एकाकी और वृद्ध थे और उनकी आंखें जवाब दे रही थीं। लेकिन उनकी यह कृति अतिवादी, आत्मघाती, हिंसक व प्रतिशोध को बढ़ावा देने वाली भावनाओं का समर्थन करती है, जिसे हिब्रू देवताओं द्वारा स्वीकृत किया गया है। मौजूदा दौर की उग्र प्रतिक्रियाएं भी इसी से जन्मी हैं। गाजा में चल रही लड़ाई के चलते मिल्टन की यह कृति फिर वैसे प्रासंगिक हो गई है, जिसकी उन्होंने कल्पना नहीं की होगी। जब मैंने चालीस साल पहले इसे एमए के लिए पढ़ा था तो मुझे तुरंत अहसास हो गया था कि इजराइल–फिलिस्तीन समस्या न केवल हजारों साल पुरानी है, बल्कि इसके आसानी से हल होने की संभावना भी नहीं है। लेकिन हर युद्ध की तरह इसमें भी हमें किसी का पक्ष लेना होता है। उन दिनों मिल्टन की यह रचना पढ़कर मेरी सहानुभूति फिलिस्तीनियों के लिए थी कि उन्होंने क्या गलत किया? उन्हें ही दोषी क्यों ठहराया जाए? सिर्फ इसलिए कि उन्होंने यहूदियों के ईश्वर का अनुसरण नहीं किया? लेकिन आज मामला उलटा नजर आ रहा है। फिलिस्तीनी कथित तौर पर बहुदेववादी थे और 'झूठे' देवताओं की पूजा करते थे। ऐसा नहीं है कि यह उनके संहार के लिए जायज हो, पर इस्लाम के आगमन के साथ क्या वह मूलभूत अंतर मिट नहीं गया है? क्या इब्राहीम का ईश्वर इस्लाम का भी ईश्वर नहीं है? फिर मुसलमानों और यहूदियों के बीच युद्ध क्यों? तो फिर, 'आईलेस इन गाजा' कौन है? ईश्वर का समर्थक कौन है और उसका विश्वासघाती कौन है? क्या हमास झूठा गद्दार है, जिसने इजराइल को धोखा देकर उस पर हमला किया? आज के इजराइल–हमास युद्ध पर सैमसन और डेलिलाह की कहानी को थोपना आसान नहीं है। न ही आज पक्ष लेना सरल है। लेकिन एक बात स्पष्ट है। यदि समीकरण उलट जाते तो क्या आज जो लोग इजराइल से रुकने के लिए कह रहे हैं, वे भी ऐसा ही करते? यदि सैन्य रूप से दबदबा होता तो कितने अरब इजराइल को अस्तित्व में रहने देंगे? धरती के उस हिस्से पर इजराइल और फिलिस्तीन दोनों के अधिकार को स्वीकार किए बिना हम सह–अस्तित्व की बात भी कैसे कर सकते हैं, शांति की तो बात ही छोड़ें? अब्राहम समझौता सहमति की दिशा में आगे बढ़ने में एक महत्वपूर्ण शुरुआत थी, लेकिन अब अगर उसे ताक पर रख दिया गया है तो किसे दोष दिया जाए? यदि हमास का घोषणा पत्र ही इजराइल के खात्मे की बात कहता हो तो शांति कैसे स्थापित हो सकती है? आंख के बदले आंख एक पुराना हिब्र कानून है, जिसे बदलते हुए महात्मा गांधी ने कहा था इससे तो पूरी दुनिया ही अंधी हो जाएगी। शायद हम सब 'आईलेस इन गाजा' हैं, जो शांति का कोई रास्ता नहीं खोज पा रहे हैं। अब्राहम समझौता सहमति की दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत थी, लेकिन अब उसे ताक पर रख दिया गया है तो किसे दोष दिया जाए? यदि हमास का घोषणा पत्र ही इजराइल के खात्मे की बात कहता हो तो शांति कैसे स्थापित हो सकती है? लेकिन एक बात स्पष्ट है। यदि समीकरण उलट जाते तो क्या आज जो लोग इजराइल से रुकने के लिए कह रहे हैं, वे भी ऐसा ही करते? यदि सैन्य रूप से दबदबा होता तो कितने अरब इजराइल को अस्तित्व में रहने देंगे?

गुरु तेगबहादुर साहेब जी संत योद्धा थे : सतेंद्र अग्रहरि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत विकास परिषद शाखा ने गुरू तेगबहादुर साहेब की पुण्यतिथि सरस्वती शिशु मंदिर बारीनाथ जौनपुर मे छात्र–छात्राओ के बीच मनाया।भारत विकास परिषद जौनपुर शाखा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व महापुरुष जयंती के प्रकल्प प्रमुख सतेंद्र अग्रहरि ने बताया कि

मुगल बादशाह औरंगजेब इस्लाम धर्म न अपनाने अपने जीवन का न्यौछावर कर ,हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए ढाल बन गये।

हिंद दी चादर कहलाए जाने वाले सिक्खों के नौवें गुरु, गुरु तेगबहादुर साहेब जी ने हिन्दू धर्म और मानवता की रक्षा करते हुए हंसते–हंसते अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

उनकी शहादत पर भारत विकास परिषद जौनपुर हर साल शहीदी दिवस के रूप में याद करती है। उन्होंने आस्था, विश्वास और अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया इसलिए उन्हें सम्मान के साथ हिंद दी चादर भी कहा जाता है।कार्यक्रम मे उपस्थित रहे शाखाध्यक्ष शिवकुमार, दिलीप जायसवाल, शरद साहू,इंदु लाल,दिवाकर गुप्त, रामरतन सेठ,प्राचार्य ज्ञान दत्त,आचार्य गण रहे।कार्यक्रम का संचालन अतुल सिंह ने किया।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने यातायात के बारे में बच्चों को किया जागरूक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2023 जागरुकता अभियान के दौरान विद्यालय राष्ट्रीय पब्लिक इण्टर कालेज हुँसेपुर कबूलपुर, जौनपुर मे जागरुकता कार्यक्रम किया गया व शहर के प्रमुख चौराहा तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्रवाई में 314 वाहनों का चालान किया गया।

जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, पुलिस अधीक्षक डॉ० अजय पाल शर्मा, क्षेत्राधिकारी यातायात देवेश सिंह, प्रभारी थानाध्यक्ष जलालापुर राजेश यादव, प्रभारी निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला के द्वारा "यातायात माह नवम्बर 2023" के दौरान राष्ट्रीय पब्लिक इण्टर कालेज हुँसेपुर कबूलपुर, जौनपुर में जागरुकता कार्यक्रम के तहत छात्र–छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही साथ शहर के प्रमुख चौराहा तिराहों पर लोगों को सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों के मालीकों को ऐसा न करने की चेतावनी दिया गया, तथा यातायात नियमों के उलंघन करने पर प्रवर्तन की कार्रवाई में 314 वाहनों का चालान किया गया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मछलीशहर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात करीब एक बजे हुई दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। परिजन का रो रो कर बुरा हाल है। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के राजेपुर गांव से गुरुवार को एक बारात गई हुई थी। लौटते समय मछलीशहर ब्लाक के समीप कार पेड़ टकरा गई , जिसमे एक युवक की मौके पर मौत हो गई और दो घायल हों गए।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी 18 वर्षीय अंकित मौर्य पुत्र लालबहादुर मौर्य की मौत हो गई वही गंभीर हालत में 16 वर्षीय साहिल पुत्र संजय का इलाज वाराणसी ट्रामा सेन्टर में चल रहा है। दो अन्य लोगों का प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। अंकित की मौत की सूचना पर घर में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

महिला पति ने मारपीट कर किया घायल, मौके पर पहुची पुलिस तो पति फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के कलंदरपुर गांव में एक महिला को उसके पति ने मारपीट कर घायल कर दिया। महिला की सूचना पर पुलिस पहुच गयी। जफराबाद थाना क्षेत्र के कलंदरपुर गांव निवासी रंजीता ने गुरुवार की देर रात डायल 112 पर पुलिस को सूचना दिया की उसका पति विकास उसे डंडे से मारपीट रहा है। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुच गयी। पुलिस को आता देख विकास रात में ही मौके से फरार हो गया। वही पति की पिटाई से रंजीता 38 घायल हो गई थी। रंजीता ने आरोप लगाया कि आएं दिन उसका पति उसे बिना किसी कारण गाली गलौज देते हुए मारता पीटता है। ग्रामीण मना करते है तो उन लोगो से भी उलझ जाता है। फिलहाल महिला ने एक निजी अस्पताल में अपना इलाज कराया।

इस बारे में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक जफराबाद किशोर कुमार चौबे ने बताया कि मामले में अभी महिला द्वारा कोई लिखित तहरीर नही मिला है। तहरीर मिलती है तो उसके पति के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

सफेद हाथी साबित हो रहा स्मार्ट क्लास योजना

बोर्ड और तार लगाकर किया गया कोरम पूरा, नही शुरू हुआ स्मार्ट क्लास का संचालन।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर धर्मापुर ब्लॉक क्षेत्र के कुछ एक परिषदीय विद्यालय जिन्हें स्मार्ट क्लास के लिए चुना गया है। वहा अभी तक संचालन नही हो सका है।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौराबादशाहपुर की प्रधानाध्यापिका गीता देवी ने बताया कि स्कूल में कई महीने पहले स्मार्ट क्लास के लिए सिर्फ बोर्ड व तार लगाकर महीनों से छोड़ दिया गया है। जिसकी वजह से अभी तक संचालन नही हो पाया है। यही स्थिति प्राथमिक विद्यालय विथार की है। प्रधानाध्यापिका विद्योतमा उपाध्याय ने बताया कि अभी सिर्फ बोर्ड तार लगाया गया है। संचालन नही हो रहा। दोनों विद्यालयों पर स्मार्ट क्लास के नाम पर कोरम पूरा किया गया है। संचालन नही हो पाया है। कंपोजिट विद्यालय सखइला में भी स्मार्ट क्लास के लिए टीवी लगाकर छोड़ दिया गया है।

वही कंपोजिट विद्यालय पंचहटिया में प्रधानाध्यापिका अर्चना रानी द्वारा अपने खर्चे से स्मार्ट क्लास जिसमे स्मार्ट टीवी, तीन सेट ब्लूटूथ स्पीकर, जिओ फाइबर इंटरनेट और सीसी टीवी कैमरा लगवाकर स्मार्ट क्लास का संचालित किया जाता है। बनाकर बच्चों को स्मार्ट क्लास से पढ़ाया जाता हैं।

नरेंद्र मोदी विचार मंच एवं मिशन न्यू इंडिया की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नरेंद्र मोदी विचार मंच एवं मिशन न्यू इंडिया जनपद जौनपुर आवश्यक बैठक विकासखंड धरमपुर शहीद भवन जिला अध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ

बैठक में नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशस्वी माननीय श्री रवि चाणक्य जी एवं रोजगार मंच के राष्ट्रीय प्रभारी सौरव द्विवेदी जी का संगठन के बारे में विस्तार बताया।बैठक में भारत माता की फोटो पर दीप जलाकर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई ।राष्ट्रीय अध्यक्ष का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया जिसमें नरेंद्र मोदी विचार मंच के आईटी सेल के जिला अध्यक्ष अभिषेक पांडे प्रेस महासभा के जिला अध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव न्यू इंडिया मुस्लिम मंच के जिला अध्यक्ष सैफ अली एवं भ्रष्टाचार निरोधक मंच जिला अध्यक्ष रोहित मिश्रा एवं चिकित्सा मंच के जिला अध्यक्ष डॉ सर्वेश श्रीवास्तव एवं शिक्षक मंच जिला अध्यक्ष विवेक पांडे मानव अधिकार सुरक्षा मंच सुरक्षा मंच जिला अध्यक्ष राहुल राजभर एवं जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मौर्य कुंवर पांडे जिला महामंत्री अनिल तिवारी जी सभी संगठन के लोग उपस्थित रहे।

पंच कोसी परिक्रमा में चिकित्सकों ने निःशुल्क इलाज व जलपान कराकर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)बुधवार को देर शाम पंच कोसी परिक्रमा पर जहां एक ओर भारी संख्या में दूर दराज से परिक्रमा करने आए परिक्रमार्थी पुण्य के भागीदार बन रहे थे।वही इसी क्रम में इन परिक्रमार्थियों की सेवा करने में विभिन्न सेवा संस्थान व संगठन के पदाधिकारी निःशुल्क भाव से सेवा कर पुण्य कर रहे थे।बताते चलें कि बुधवार की शाम नौ बजकर पच्चीस मिनट से पंच कोसी परिक्रमा प्रारंभ होकर गुरुवार को शाम सात बजकर इक्कीस मिनट पर जाकर समाप्त हुआ।इस मौके पर डॉ अजय तिवारी,डॉ अमित तिवारी,डॉ मनोज सैनी,डॉ सुजीत मौर्या,दुर्गेश सिंह,राजेश श्रीवास्तव,सचिन तिवारी सहित कई चिकित्सक व कई समाजसेवी ने पंच कोसी परिक्रमा कर परिक्रमार्थियों की सेवा भाव से निःशुल्क इलाज कर उन्हें जलपान कराकर सराहनीय कार्य किया।

डीआईओएस पर लगा पच्चीस हजार रूपए का जुर्माना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मुंगरा बादशाहपुर थाना अंतर्गत बालिका हिंदू इंटर कॉलेज के प्रकरण में शिकायत कर्ता को सूचना उपलब्ध न कराने पर जिला विद्यालय निरीक्षक जौनपुर पर सूचना आयोग ने पच्चीस हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। प्रकरण बालिका हिंदू इंटर कालेज मुंगराबादशाहपुर जौनपुर से संबंधित है। आवेदक दयाराम सरोज आजीवन सदस्य हिंदू हाई स्कूल सोसायटी निवासी ग्राम धौरहरा ने जिला विद्यालय निरीक्षक के यहां से जन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत एक विंदु की सूचना मांगा था। जिसमें सहायक निबंधक चिट्स फंड वाराणसी के यहां से प्राप्त प्रमाणित साधारण सभा के सदस्यों की सूची जो वर्तमान अथवा विगत हुए प्रबंध समिति के चुनाव में प्रयोग किया गया है उसे उपलब्ध कराया जाएं।जो सूचना उपलब्ध भी कराया गया है वह मूल तथ्य के परे है। उसमें दिखाया गया है कि साधारण सभा के सदस्यों की प्रमाणित सूची सोसायटी कार्यालय से प्राप्त नहीं किया गया है। सूचना भी समय सीमा के अंतर्गत उपलब्ध नहीं कराया गया। इसी के संबंध में प्रथम अपील सूचना प्राप्त कराने हेतु संयुक्त शिक्षा निदेशक वाराणसी के यहां किया गया। वहां से भी मांगी गई सूचना नहीं मिल पाया।तब आवेदक ने जन सूचना आयोग लखनऊ में द्वितीय अपील करके सूचना उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया। अधिवक्ता अशोक कुमार शुक्ला ने वादी की बात नियमवाली के अंतर्गत आयोग के सम्मुख प्रस्तुत किया। आयोग द्वारा पारित आदेश का अनुपालन न करने, नोटिस को गंभीरता पूर्वक न लेने, सूचना के प्रवाह में बाधा उत्पन्न करने, सूचना के मूल तथ्यों को छिपाना,समय सीमा के भीतर सूचना न उपलब्ध कराने का दोषी मानते हुए उनके विरुद्ध सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 20(1) के तहत पच्चीस हजार रुपए का अर्थदंड राज्य सूचना आयुक्त अजय कुमार उप्रेती ने जिला विद्यालय निरीक्षक के ऊपर लगाया है। अर्थदंड की वसूली के लिए रजिस्ट्रार राज्य सूचना आयोग व प्रमुख सचिव माध्यमिक शासन को आदेश की प्रति भेजा है।साथ ही संयुक्त शिक्षा निदेशक वाराणसी व जिला अधिकारी जौनपुर को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है।

बारातियों से भरी बुलेरो पेड़ से टकराई,एक की मौत ,तीन अन्य घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मछलीशहर। कोतवाली थाना क्षेत्र के जंघई रोड स्थित ताजुद्दीनपुर गांव के समीप शुक्रवार को रात करीब एक बजे बारात से लौट रहे लोगो की बुलेरों पेड़ से टकरा गई।दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई शेष तीन घायल हो गए।जिसमे गंभीर रूप से घायल एक किशोर को वाराणसी के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

तेजीबाजार थाना क्षेत्र के राजेपुर गांव से गुरुवार को एक बारात दाउदपुर कोटिया गांव में गई थी। बाराती जयमाल कार्यक्रम के बाद रात ही में बुलैरो से घर लौट रहे थे ।जब वाहन ताजुद्दीनपुर गांव स्थित ब्लाक कार्यालय मछलीशहर के समीप पहुंचा तो वाहन अनियंत्रित होकर सरक किनारे पेड़ से टकरा गया ।घटना मे राजेपुर गांव निवासी अंकित मौर्य(18) पुत्र लालबहादुर मौर्य की मौत हो गई और साहिल (16) पुत्र संजय गंभीर रूप से घायल हो गए।साहिल को इलाज के लिए वाराणसी ट्रामा सेन्टर भेजा गया है।जबकि दो अन्य लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। अंकित की मौत की सूचना पर घर में कोहराम मचा हुआ है। थानाध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह का कहना है कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची । बुलेरो और शव को कब्जे में ले लिया गया है।रात ही में शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। आगे कार्यवाही की जा रही है । घटना के बाद से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

मेडीकल कॉलेज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस योजना की हुई शुरुआत

सेवानिवृत्ति और सरकारी कर्मचारियों को 5 लाख तक का मिलेगा निशुल्क इलाज

मेडिकल कॉलेज में लिया जाएगा अश्वफलाइन आवेदन

मेडिकल कॉलेज सत्यापन के बाद करेगा ऑनलाइन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर उमानाथ सिंह स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) में रिटायर्ड और आश्रित लोग आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की तरह पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत मेडीकल कॉलेज में राज्य कर्मचारी को हर साल 5 लाख तक के इलाज की सुविधा मिलना शुरू हो गई। इस योजना के तहत परिवार के सभी सदस्यों को भी निशुल्क इलाज मिलेगा।

बता दे की मेडिकल कॉलेज जौनपुर में राज्य कर्मचारी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ पहुंचाने के लिए मेडिकल कॉलेज ने आईपीडी शुरू होने से पहले तैयारी को पुख्ता कर लिया है। जिसमें सेवानिवृत्ति और उनके आश्रितों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलैस चिकित्सा योजना के तहत सरकारी एवं योजनाओं से संबद्ध निजी अस्पतालों को हर साल प्रति परिवार पांच लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलनी शुरू हो गई है। राज्य कर्मचारी और उनके परिवारों और पेंशन धारकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत आपात या गंभीर बीमारियों से ग्रस्थित होने वाले मरीजों को इस कैशलेस सुविधा के तहत इलाज मुहैया कराया जाएगा। इस योजना में सिर्फ सरकारी कर्मचारी और पेंशन भोगी ही ऑनलाइन याऑफलाइन आवेदन कर सकेंगे। योजना का लाभ लेने के लिए सभी कर्मचारियों को एक राज्य स्वास्थ्य कार्ड दिया जाएगा। जिसके सहारे वे सभी लोग इलाज ले सकेंगे। चिकित्सा परिचर्या और उपचार के लिए पंजीकरण फीस और अन्य विहित फीस सरकार द्वारा पूरी तरीके से पूरी की जाएगी।।आपात मामलों में यदि परिस्थितियों की अपेक्षा की जाती है तो एंबुलेंस भी निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। मेडिकल कॉलेज के ओपीडी भवन में इसके लिए एक अलग काउंटर बनाया गया है।जहां पर लाभार्थी पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठा पाएंगे और जानकारी ले पाएंगे।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने बताया इसके लिए योजना का लाभ लेने के लिए।लाभार्थियों के पास पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा कार्ड का होना अनिवार्य होगा। इसके लिए मेडिकल कॉलेज में ऑनलाइन ऑफलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है। कर्मचारी और उनके आश्रित के हेल्थ कार्ड अलग–अलग बनेंगे।

प्रोफेसर शिवकुमार कुमार

उमानाथ सिंह स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज)जौनपुर

आवदेन के लिए जरूरी दस्तावेज.

.....1 कर्मचारी का पीपीओ नंबर जो 12 अंक का होगा

2 रिटायर कर्मचारियों के विभाग का नाम

3 जनपद,कोड,पद आय प्रमाण पत्र के साथ सातवें वेतन आयोग के अनुसार

4 रिटायर कर्मचारियों के कार्यालय का नाम

5 आवेदक का नाम, जन्मतिथि,सेवानिवृत्ति की तिथि

6 आवेदक के पिता व पति का नाम आधार से जुड़े मोबाइल नंबर ईमेल आईडी आधार नंबर और एक रंगीन फोटो की आवश्यकता होगी।

एसएसपी माघ मेला प्रयागराज

कोरोना काल मे भी माघ मेला सम्पन्न करा कर किया था सराहनीय कार्य

अयोध्या।शासन ने फिर डॉ राजीव नारायण मिश्र, सेनानायक 34 वीं वाहिनी पीएसी, वाराणसी को माघ मेला प्रयागराज वर्ष 2023–24 का अतिरिक्त प्रभार देते हुए लगातार चौथी बार एस. एस.पी. (माघ मेला) बनाया गया है।बताते चलें कि विगत वर्षों में सकुशल संपन्न हुए माघ मेला वर्ष 2021, 2022 तथा 2023 में भी डॉ राजीव नारायण मिश्र, सेनानायक 34 वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर, वाराणसी को माघ मेला प्रयागराज के प्रभारी के रूप में अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया था।वैश्विक महामारी को देखते हुए वर्ष 2021 व 2022 के दोनों मेले को सकुशल संपन्न कराना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था,जिसे श्री मिश्र ने अपने नेतृत्व में सकुशल एवं निर्विघ्न संपन्न कराया था।इस वर्ष का मेला भी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था की डुबकी के साथ निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हुआ था।विगत वर्षों में पुलिस प्रशासन द्वारा समस्त मेला अवधि में, विशेष कर प्रमुख स्नान पर्वो में,समस्त कल्पवासियों, करोड़ों स्नानार्थियों तथा श्रद्धालुओं का सुगम आवागमन, सुरक्षित स्नान एवं प्रवास सुनिश्चित किया गया था।इस दौरान विभिन्न स्नान पर्व– मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, पौष पूर्णिमा, बसंत पंचमी व महाशिवरात्रि सकुशल संपन्न हुए थे।बताते चलें कि डॉ राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस की गिनती तेज तर्रार आईपीएस अनुभवी अधिकारियों मे होती है। उन्हें अयोध्या में वर्ष 2005 में हुए आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियो को ढ़ेर करने में सराहनीय योगदान देने के लिए राष्ट्रपति के वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।इसके अतिरिक्त उन्हें सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक व अन्य बहुत से पुरस्कार मिल चुके हैं।कर्तव्यनिष्ठ एवं मृदुल स्वभाव के धनी डॉ. राजीव नारायण मिश्र वर्तमान में सेनानायक 34वीं वाहिनी पीएसी, वाराणसी में नियुक्त है। इससे पहले वे एसएसपी एसटीएफ, के अलावा लखनऊ व कुशीनगर में कप्तान रह चुके हैं।आसन्न माघ मेले को व्यवस्थाओं के द्रष्टि कोण से वर्ष 2025 में होने वाले पूर्ण कुम्भ के रिहर्सल के रूप में देखा जा रहा है।

पचकोसी परिक्रमा में पंचमुखी हनुमान मंदिर नरसिंह दास गौ सेवा ट्रस्ट एवं अक्षत ग्रुप इंफ्रा डेवलपर कंपनी द्वारा भव्य निःशुल्क सेवा शिविर का किया गया आयोजन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या भगवान श्री राम की पावन नगरी में कार्तिक शुक्ल अक्षय नवमी 5 कोसी परिक्रमा में पंचमुखी हनुमान मंदिर नरसिंह दास गौ सेवा ट्रस्ट एवंअक्षत ग्रुप इंफ्रार डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने उदया पब्लिक स्कूल पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर विशाल निशुल्क सेवा शिविर एवं प्राथमिक उपचार लगाया गया । जिसमें परिक्रमा में आए हुए श्रद्धालुओं को निःशुल्क चाय, प्राथमिक चिकित्सा, दवा वितरण तथा विश्राम करने की सुविधाएं प्रदान की । 22 नवंबर को रात्रि 9 बजे परिक्रमा करने वाले भक्तगण ने परिक्रमा प्रारंभ किया जो 23 नवंबर को शाम 7रू00 बजे तक परिक्रमा चलता रहा। अयोध्या

पंचकोसी परिक्रमा को लेकर लोगों में श्रद्धा शबाब पर रहा, रामनगरी की पंच कोसी परिक्रमा मैं आए श्रद्धालुओं में उत्साह दिखा, जय श्री राम के उद्घोष के साथ श्रद्धालुओं ने पचकोसी परिक्रमा की , पंचकोसी की परिक्रमा में 25 लाख से ज्यादा श्रद्धालु शामिल हुए, पचकोसी की परिक्रमा में 30 लाख से ज्यादा लोगों के शामिल होने का अनुमान रहा,बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती रही , परिक्रमा मार्ग पर की गई व्यवस्थाओं से अभिभूत श्रद्धालु,कर रहे हैं उत्तर प्रदेश सरकार का धन्यवाद,प्रशासनिक तैयारी का गुणगान कर रहे थे। श्रद्धालु, पंच कोस की परिक्रमा में राम मंदिर निर्माण का उत्साह भी दिखा।कार्यक्रम के मुख्य महामंडलेश्वर महाराज अभिराम दास जी, दिलीप महाराज जी और ट्रस्टी के महाराज भानु प्रसाद महाराज जी एवं मनी रामदास जी, रामदास जी, सादरी दीदी अनूप दास जी, सियाराम जी एवं अक्षत ग्रुप इंफ्रा डेवलपर कंपनी के डायरेक्टर विनय कुमार वर्मा ने भगवान पंचमुखी हनुमान जी के मंदिर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया ।

उद्घाटन के पावन अवसर पर घनश्याम वर्मा,अनु यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में वेद मंत्रों के साथ हुई पूर्णाहुति

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'पाली–(हरदोई)' शुक्रवार को हरदोई जनपद के पाली नगर में चल रहे भव्य श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई। यज्ञाचार्य विनोद कुमार दीक्षित के द्वारा वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ यज्ञ में पूर्णाहुति डलवाई गई जिसे देखने के लिए नगर व आसपास के हजारों की संख्या में भक्तगण मौजूद रहे। इसके अलावा भा0ज0पा0 सवायजपुर विधायक के छोटे भाई धीरेंद्र प्रताप सिंह श्सेनानीश ने भी अपनी पत्नी के सहित यज्ञ में पूर्णाहुति डाली। उन्होंने पूरी श्रद्धा भक्ति के साथ यज्ञ का पूजन अर्चन किया और अपनी पूर्णाहुति डाली आपको बताते चलें कि पाली नगर में 19 नवंबर से एक भव्य श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन स्वामी उदय नारायणाचार्य जी महाराज के तत्वावधान में चल रहा था। जिसमें दूर– दराज से संत व ऋषि मुनियों ने आकर अपने–अपने प्रवचन वेद मंत्रों के साथ यज्ञ का कार्यक्रम संपन्न करवाया। इस कार्यक्रम की 24 नवंबर को वेद मंत्रों के उच्चारण से हुई पूर्णाहुति के साथ कार्यक्रम का समापन हो गया। इसके साथ ही परिसर में एक भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर शिवम तिवारी,अनमोल बाजपेयी, राहुल बाजपेयी,अजय गुप्ता,अनूप बाजपेयी, आशुतोष मिश्रा,अरुण अवस्थी, शिवम बाजपेयी, रजत मिश्रा,शुभम शुक्ल,गुड्डू बाजपेयी, अजीत गुप्ता आदि के साथ साथ हजारों की संख्या में भक्त मौजूद रहे।

जनपद के 107 केंद्रों पर होगी यूपी बोर्ड परीक्षा

सुल्तानपुर। यूपी बोर्ड परीक्षा 2024 में जिले के 2817 विद्यार्थी कम हो गए हैं। अपलोड हुई सूची के मुताबिक परीक्षा के 25 केंद्र घट गए हैं। इस साल 107 केंद्रों पर हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा होगी जबकि 2023 में जिले में 132 केंद्रों पर परीक्षा हुई थी। यूपी बोर्ड परीक्षा 2024 के लिए केंद्रों की सूची बृहस्पतिवार को माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर अपलोड हुई। इस बार 107 परीक्षा केंद्रों का ऑनलाइन चयन बोर्ड द्वारा किया गया है। सूची में नौ राजकीय, 53 ऐडेड, 43 वित्तविहीन तथा दो राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय शामिल हैं। डीआईओएस ने जिले की एनआईसी वेबसाइट पर सूची को अपलोड करा दिया है। 2024 की बोर्ड परीक्षा में जिले से हाईस्कूल के 43,264 व इंटरमीडिएट के 37,233 विद्यार्थी शामिल होंगे। इस बार जिले में कुल 80497 विद्यार्थी परीक्षा देंगे जबकि 2023 में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के 83,314 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। 2024 की बोर्ड परीक्षा में 2817 विद्यार्थी कम हो गए हैं। जिले के छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य व प्रबंधक परीक्षा केंद्रों को लेकर 27 नवंबर की रात 12 बजे तक आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। परीक्षा केंद्रों पर आपत्तियों के लिए प्रारूप तैयार किया गया है। इसमें विद्यालय कोड व विद्यालय का नाम आपत्तियों में दर्ज करना होगा। विसंगति वाले कॉलम में परीक्षा केंद्र बनाए या हटाए जाने के संबंध में बताना होगा। दूरी अधिक होने की जानकारी, परीक्षार्थियों की संख्या अधिक या कम होने, परीक्षा केंद्र में परस्पर आवंटन व एक प्रबंध तंत्र के विद्यालय में आवंटन को लेकर आपत्ति दर्ज की जा सकती है। हर विसंगति के लिए आपत्तिकर्ता को अलग–अलग आवेदन करना होगा। जिले में परीक्षार्थियों की संख्या में कमी आई है। यूपी बोर्ड ने 2024 की परीक्षा के लिए 25 केंद्र घटा दिए हैं। इससे केंद्रों पर परीक्षार्थियों की संख्या बढ़ेगी। केंद्रों को लेकर आपत्तियां मांगी गई हैं। इसके अनुसार जिला स्तरीय समिति रिपोर्ट तैयार करेगी।

गोंडा में गोस्वामी तुलसीदास अंतरराष्ट्रीय केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि श्री रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास विश्व के महानतम कवियों में से एक हैं। उनका जन्म गोंडा जिले में परसपुर के पास राजापुर गांव में हुआ था। अतः गोस्वामी जी के नाम पर गोंडा में एक अंतरराष्ट्रीय केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदया, माननीय श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री जी, शिक्षामंत्री भारत सरकार, आयुक्त देवीपाटन मंडल एवं जिलाधिकारी गोंडा को पत्रोत्तर द्वारा अवगत कराया गया है कि गोस्वामी जी के नाम पर अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस संबंध में आपसे आग्रह है की गोस्वामी जी के जन्म स्थान के पास गोंडा में अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए। इस संबंध में यह भी निवेदन है कि गोंडा में 58 एकड़ लगभग 300 बीघा जमीन अधिग्रहित कर ली गई है। अतः प्रस्तावित विश्वविद्यालय के लिए जमीन अधिग्रहण की कोई समस्या भी नहीं होगी। इसलिए आपसे आग्रह है कि गोंडा में गोस्वामी तुलसीदास अंतर्राष्ट्रीय केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना अविलंब की जानी चाहिए। गोस्वामी तुलसीदास विश्व के प्रायः सभी विश्वविद्यालयों में पढ़ाये जाते हैं। गोस्वामी जी भारतीय संस्कृति की अमूल्य निधि है। गोस्वामी तुलसीदास जी के जन्म स्थान के पास स्थापित विश्वविद्यालय विश्व के गौरवशाली शिक्षा संस्थानों में एक होगा।

अतः आपसे सादर अनुरोध है कि गोस्वामी तुलसीदास के सम्मान में उनके जन्म भूमि के पास विकासखंड परसपुर में अधिग्रहित भूमि में गोस्वामी तुलसीदास अन्तरराष्ट्रीय केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना करने की कृपा करें ।

डॉ. स्वामी भगवदाचार्य
अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष
ने उक्त जानकारी दी।

योग तन- मन दोनों को रखता है स्वस्थ- प्रो. वंदना सिंह

विश्वविद्यालय में योग शिविर का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के ध्यानचंद इनडोर स्टेडियम में मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु आर्ट ऑफ लिविंग, बेंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन हुआ.

शिविर में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों,कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने योग किया.

कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि स्वस्थ रहना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता हो गई है. योग हमारे तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है. विश्वविद्यालय के सभी सदस्य स्वस्थ और ऊर्जावान रहे इसलिए इस शिविर का आयोजन किया गया है. उन्होंने कहा कि सभी इस शिविर में बढ़– चढ़ कर प्रतिभाग करें. ध्यानचंद्र इनडोर स्टेडियम में सुबह शुरू हुए इस शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग के जय सिंह ने वार्मअप, कटिचक आसन हस्तपात, उत्कटासन, मलासन, तितली आसन, जॉइन्ट रोटेशन, बॉडी स्ट्रेचिंग, योगासन एवं ध्यान कराया। योग शिविर के समन्वयक डॉ मनोज पाण्डेय रहे. इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक वी एन सिंह, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. अजीत, सहायक कुलसचिव दीपक सिंह, बबिता सिंह, डॉ. मिथिलेश यादव,राजेंद्र सिंह समेत अन्य उपस्थित रहे.

कुलपति ने थ्री डी मॉडल से समझाई अणुओं कीसंरचना

रज्जू भैय्या में एमएससी की क्लास लेने पहुंचीकुलपति, पढ़ाया विन्यासरसायन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वन्दना सिंह ने परिसर स्थित रज्जू भैया संस्थानके रसायन विभाग के एमएससी छात्रों की कक्षाएं ली । उन्हों ने विन्यास रसायन ६ त्रिविमरसायन से संबंधित विषय पर व्याख्यान दिया। विन्यास रसायन, रसायन की वहशाखा है जो अणुओं के अन्दर परमाणुओं के सापेक्षिक स्थिति एवं उनके प्रभावों काअध्ययन करती है। डॉ. सिंह ने थ्री डी मॉडल्स तथा पॉवर प्वाइंट से अणुओं की संरचनापर प्रकाश डाला।डॉ. सिंह ने कहा कि प्रत्येक अणु कई परमाणुओंसे मिलकर बने होते हैं। इन परमाणुओं को आपस में जोड़ने के लिए बंध की आवश्यकताहोती है । बंध की लंबाई अणुओं के स्थायित्व और ऊर्जा को तय करती है। किसी भी अणुमें बंध कोण परमाणुओं की स्थिति को निश्चित करते है।डॉ. वन्दना सिंह रसायन विज्ञान विभाग मेंप्रोफेसर हैं। प्रो. सिंह कार्बनिक रसायन की विशेषज्ञ है तथा पॉलीमर रसायन मेंविश्वस्तरीय शोध कार्य कर रहीं है। हाल ही में स्टैंडफोर्ड यूनिवर्सिटी के द्वाराजारी विश्व के दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में प्रो. वंदना सिंह का नामसम्मिलित किया गया था। इस अवसर पर रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमारने बताया की कुलपति आगे भी कक्षाएं लेंगी।

जालसाज दंपती : पहले पड़ोसियों को ठगा, फिर करने लगे हेराफेरी

गोरखपुर (संवाददाता)। पुलिस जांच के मुताबिक एम्स में ठेका दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी के आरोप में पकड़ा गया देवरिया का राजीव तिवारी और उसकी पत्नी शिप्रा पुराने ठग हैं। दोनों ने पहले पड़ोसियों को जमीन दिलाने का झांसा देकर छोटी–मोटी रकम की ठगी से शुरुआत की। फिर ठगी की बड़ी घटनाओं को अंजाम देने लगे। इसमें कई बार फंसे भी, लेकिन कभी पैसे वापस कर तो कभी खुद को बड़ा अफसर बता धौंस जमा कर बचते रहे। अब दोनों पकड़े गए हैं तो पुलिस इनकी संपत्ति को जब्त करने की तैयारी में जुट गई है। सबसे पहले इन्होंने पड़ोसियों को ही।

साहिब श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) दिनांक-27.11.2023 को गुरूद्वारा नाका हिण्डोला में भव्य रूप से डी0ए0वी0 कालेज, लखनऊ के प्रांगण मे मनाया जा रहा है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी की प्रेस वार्ता प्रेस क्लब में लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के 25 वर्ष पूर्ण होने पर एवं गुरूद्वारा नाका हिण्डोला के 125 वर्ष पूर्ण होने पर समर्पित कार्यक्रम दिनांक 25 नवंबर 2023 को सायं 7रू00 बजे से 8रू30 बजे तक लाइट एवं साउंड शो ष्अमरप्रीत लानष कृष्णा नगर, कानपुर रोड में दिखाया में दिखा जाएगा जिसमें मुख्य रूप से साहिब श्री गुरू नानक देव जी के जीवन पर आधारित की विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए हुई। सरदार राजेन्द्र सिंह बग्गा अध्यक्ष लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवं अध्यक्ष गुरूद्वारा नाका हिण्डोला ने अवगत कराया कि श्री गुरू नानक देव जी ने अज्ञानता के अन्धेरे को मिटाते हुए अध्यामिक ज्ञान की रोशनी को सम्पूर्ण जगत में अवतरित किया। जिसे पंजाब के कलाकारों द्वारा लाईट एवं साउण्ड शो के माध्यम से इनकी जीवनी को उजागर किया गया। सरदार हरपाल सिंह जग्गी, महामंत्री लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी ने अवगत कराया कि श्री गुरू नानक देव जी का जन्म सन् 1469 ई0 में राय भोए की तलवंडी में हुआ था जो वर्तमान समय पाकिस्तान में है एवं ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है। श्री गुरू नानक देव जी पूर्न जागरण के 15वी शताब्दी में पूंज के रूप में जाने जाते है। जहॉ पर जात–पात, कर्म–काण्डो से समाज को दूर किया और स्त्रीयों को समाज में सम्मानित स्थान एवं पुरूष के समान दर्जा दिलाने के लिए हमेशा तत्पर रहें। उनके द्वारा कहा गया– ष्सो क्यो मंदा आखिये, जित जन्मे राजानष वो स्त्री कैसे बुरी हो सकती है, जिसने अवतारों, महापुरूषों एवं राजाओं को जन्म दिया। इससे पूर्व स्त्रियों को हीन दृष्टि से देखा जाता था।

गुरू नानक देव जी के जन्म का दृष्टान्त इस लाईट एवं साउण्ड शो में दिखाया गया है। ये लाईट एवं साउण्ड पंजाब के कलाकारों द्वारा सुखनवर रंग मंच के माध्यम सें गुरू नानक देव जी, बीबी नानकी, महेता कालू जी को एनीमेशन द्वारा दिखाया जायेगा। बाकि कलाकारों को कार्यक्रम में सजीव चित्रण द्वारा दिखाया जायेगा। ये कार्यक्रम एस0जी0पी0सी0 द्वारा प्रमाणित है। ये शो लगभग 01:40 मिनट का रहेगा। सरदार सतपाल सिंह मीत प्रवक्ता लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी ने अवगत कराया कि साहिब श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) दिनांक–27.11.2023 को गुरूद्वारा नाका हिण्डोला में भव्य रूप से डी0ए0वी0 कालेज, लखनऊ के प्रांगण मे मनाया जा रहा है। इसमें मुख्य रूप से भाई जसवीर सिंह खालसा यू0 के0 वाले, भाई सुरजीत सिंह दिल्ली वाले, गुरूद्वारा नाका हिण्डोला के हजूरी रागी जत्था राजिन्दर सिंह संगत को गुरवाणी से निहाल करेंगें तथा गुरूद्वारा नाका हिण्डोला, ज्ञानी सुखदेव सिंह जी अमृतसर वाले कथा के द्वारा संगत को गुरू नानक देव जी के जीवन के बारे मे अवगत करायेगे।

दिनांक–27.11.2023 को प्रातः–07:00 बजे से सायः–10:00 बजे तक रहेगा। कार्यक्रम मे संगत की सेवा हेतु श्री गुरू हरिराय डायगनोस्टिक कैम्प में लगाया जायेगा।

इस प्रेस वार्ता में डॉ गुरमीत सिंह, स0 तेजपाल सिंह रोमी, स0 दलजीत सिंह टोनी, स0 इन्दर सिंह, स0 हरमिन्दर सिंह टीटू महामंत्री तथा अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

प्रो. मनुका खन्ना एल. पी.एस. के मॉडल यूनाइटेड नेशन्स में

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल, सेक्टर–9, वृंदावन योजना शाखा मे मॉडल यूनाइटेड नेशंस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहर के कई स्कूलों से 150 से अधिक प्रतिनिधियों और शिक्षकों ने भाग लिया। एम.यू.एन. में छह समितियां थीं, जो वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। यहां छात्रों के विकास को ध्यान में रखकर गहरी बहसें हुईं।

प्रो. मनुका खन्ना, लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन और राजनीति विज्ञान विभाग की हेड, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थीं। इस अवसर पर पूर्व एम एल सी कान्ति सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

उनका भाषण छात्रों को वैश्विक सहयोग की महत्ता पर ध्यान आकर्षित करता रहा।

कार्यक्रम ने युवाओं के ज्ञान और समृद्ध सहयोग का प्रदर्शन किया, जिससे उनमें वैश्विक नागरिकता और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रति गहरी समझ विकसित हो।

लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेस ने सभी भाग लेने वालों, स्कूलों, प्रतिनिधियों, शिक्षकों और विशेष रूप से प्रो. मनुका खन्ना को इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम की सफलता में योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

राम नगरी अयोध्या में जुटेंगे देश भर के धनुर्धर

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।राम नगरी अयोध्या में देश भर के धनुर्धर आयेंगे, राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता 25 से 29 नवंबर तक चलेगा, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे, राष्ट्रीय तीरंदाजी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, प्रतियोगिता को लेकर उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के सेक्रेटरी अजय गुप्ता ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस किया, 25 से 29 नवंबर तक होगी तीरंदाजी प्रतियोगिता, जीआईसी के मैदान में होगी तीरंदाजी प्रतियोगिता,तैयारियां अंतिम चरण में, देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों समेत महिला व पुरुष 1000 खिलाड़ी होंगे शामिल, प्रेस कॉन्फ्रेंस में उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के जॉइंट सेक्रेटरी योगेंद्र राणा,, ओलंपियन सत्यदेव, यूपी टीम के कोच विकास शास्त्री व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी विश्वास आदि लोग मौजूद रहे।

शस्त्रों का रख-रखाव ठीक न मिलने पर सीओ ने जाहिर की नाराजगी

हरदोई (संवाददाता)। कोतवाली के निरीक्षण में पुलिस उपाधीक्षक ने शस्त्रों के ठीक प्रकार से रख–रखाव न होने पर नाराजगी जाहिर की। कहा कि डीएम कार्यालय से प्राप्त शस्त्र लाइसेंस के अनुसार शस्त्रों का मिलान भी किया जाना जरूरी है। पुलिस उपाधीक हेमंत उपाध्याय को बुधवार को कोतवाली के निरीक्षण में कई खामियां मिलीं। जिसको दुरूस्त करने के निर्देश दिए। अभिलेखों के निरीक्षण में शस्त्रों का मिलान अधूरा मिला। कहा कि डीएम कार्यालय से प्राप्त सूची के अनुसार सभी शस्त्रों का मिलान जल्द किया जाए। अपराध रजिस्टर का भी नियमित अंकन नहीं मिला। शस्त्रागार के निरीक्षण में शस्त्रों का रख–रखाव ठीक न मिलने और दुरुस्त न होने पर कहा कि सभी शस्त्रों को ठीक कराते हुए समुचित रख–रखाव किया जाए।

कोटेदार संघ के तहसील अध्यक्ष चुने गए पंकज सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद जौनपुर के नगर स्थित एक रेस्टोरेंट में ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलरशिप संगठन (कोटेदार संघ) की एक सांगठनिक बैठक जिला अध्यक्ष हरसु सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त बैठक में मुख्य अतिथि रूप में प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी एवं जनपद जौनपुर के कार्यकारी जिला अध्यक्ष दयाशंकर निगम एवं जौनपुर संघ के कोटेदार पदाधिकारी बंधुओ की उपस्थिति में सदर तहसील विकास खंड सिकरारा के चॉदपुर निवासी कोटेदार पंकज कुमार सिंह को कोटेदार संघ का सदर तहसील अध्यक्ष सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया।

जन चौपाल में ग्रामीणों की सुनी समस्या,हुआ निस्तारण'

सुल्तानपुर– बल्दीराय ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत कस्बा माफियात में शुक्रवार को जन चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों की सड़क,नाली,पेंशन तथा राशन कोटे की समस्या सुनकर उनका निस्तारण किया गया और ग्रामीणों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर आवेदन कर लाभ लेने की अपील की।एडीओ आईएसबी शिवकुमार की अगुवाई में जनसुनवाई चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ–साथ लोगों को आयुष्मान कार्ड से मिलने वाली निरूशुल्क स्वास्थ्य सुविधा की जानकारी देकर कार्ड बनवाने को कहा। इस दौरान ग्राम पंचायत सचिव घनश्याम यादव,प्रधान प्रतिनिधि श्याम नारायण सोनकर, विजय कुमार, शोभवती, राधेश्याम, फूलचंद,ओम प्रकाश, वारिश अली,मोहम्मद आकिब व मोहम्मद जुबैर आदि मौजूद रहे।

किशोरी के परिजनों ने प्रेमी जोड़े पर किया हमला

सीतापुर (संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में प्रेमी जोड़े पर किशोरी के परिजनों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। युवक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।